ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

सदा बाप की याद, सदा बाप की श्रीमत - ऐसी लकीर के अन्दर रहने वाली सच्ची सीता। एक कदम भी बिना श्रीमत के नहीं। जैसे ट्रेन को पटरी पर खड़ा कर देते हैं, तो ऑटोमेटिकली रास्ते पर चलती रहती है, ऐसे ही रोज़ अमृतवेले याद की लकीर पर खड़े हो जाओ। अमृतवेला है फाउण्डेशन। अमृतवेला ठीक है, तो सारा दिन ठीक हो जायेगा।

Brahma Kumaris

आज का सुगन्धित पुष्प

Fragrant Flower For Today

आपने मन-बुद्धि को शक्तिशाली बना दिया है।

आप अचल अडोल हो। 😊

You have made your mind and intellect powerful.

You are immovable and unshakeable! 😊

Murli:-27/06/2024
मेरा बाबा
अभी ही तुम्हें बाप से प्यार मिलता है। ऐसा प्यार फिर सारे कल्प में नहीं मिल सकता।

शिवशक्ति सरस्वती माँ

मम्मा के अव्यक्त होने के बाद उनकी पूजा अर्थात् जगदम्बा की, दुर्गा की पूजा बहुत ज्यादा बढ़ी है। अव्यक्त रूप में मम्मा दुर्गा का पार्ट बजा रही है, इसके कारण दुर्गा की पूजा और अर्चना बहुत बहुत हो रही है। कलकत्ते में तो देखने वाला दृश्य होता है कि दुर्गा पूजा क्या होती है। हमें तो महसूस होता है कि जब मम्मा साकार में थीं तब ज्ञान ज्ञानेश्वरी बन ज्ञान की गंगा बहायीं और अव्यक्त होने के बाद दुर्गा का पूरा-पूरा पार्ट बजा कर भक्तों को गुण और शक्तियों का वरदान दे रही हैं।

अव्यक्त शिक्षाएँ

पवित्रता की प्रत्यक्ष निशानी - हैपी अर्थात् खुशी सदा प्रत्यक्ष रूप में दिखाई देगी। अगर खुशी नहीं तो अवश्य कोई अपवित्रता अर्थात् संकल्प वा कर्म यथार्थ नहीं है, तब खुशी नहीं है। अपवित्रता सिर्फ 5 विकारों को नहीं कहा जाता। लेकिन सम्पूर्ण आत्माओं के लिए, देवात्मा बनने वालों के लिए अयथार्थ, व्यर्थ, साधारण संकल्प, बोल वा कर्म भी सम्पूर्ण पवित्रता नहीं कहा जायेगा।

अ.बापदादा-13.01.86

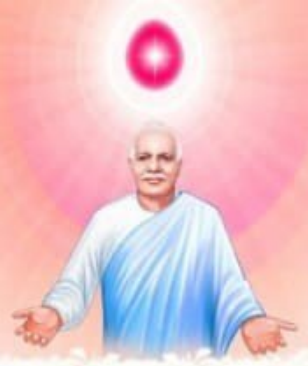

सम्पूर्णता की ओर

कर्मयोगी का पार्ट बजाते कर्म और योग का बैलेंस चेक करना कि कर्म और याद अर्थात योग दोनों ही शक्तिशाली रहे ? अगर कर्म शक्तिशाली रहा और याद कम रही तो बैलेंस नहीं और याद शक्तिशाली रही, कर्म शक्तिशाली नहीं तो भी बैलेंस नहीं। तो कर्म और याद का बैलेंस रखते रहना। सारा दिन इसी श्रेष्ठ स्थिति में रहने से कर्मातीत अवस्था के नजदीक आने का अनुभव करेंगे। सारा दिन, चलते-फिरते खाते-पीते कर्मातीत स्थिति व अव्यक्त फरिश्ते स्वरूप की स्थिति में रहना यही कर्मयोगी स्टेज है।

You are a wise soul who has
realized that every moment
of growth is counted,
no matter how small it is.

BRAHMA KUMARIS
SpARC Wing

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org